Exam.Code:1124

Sub. Code: 8249

1068

M.Ed. (General) Second Semester

Paper – VI [E01-PSE-II]: Pedagogy of Science Education – II

(Same for M.Ed. (G &C) & M.Ed. (ET) Second Semester

(In all mediums)

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 70

NOTE: Attempt five questions in all, including Question No. LX (Unit-V) which is compulsory and selecting one question each from Unit I - IV.

X-X-X

UNIT-1

- Discuss the evolution of science as a discipline. (14)
- H. Elaborate with examples the common misconceptions of pupils about the nature of science. (14)

UNIT-II

- III. Critically analyze science curriculum of secondary class. (14)
- IV. Discuss the criteria of validity of science curriculum. (14)

UNIT-III

- V. Discuss the constructivist paradigm and its implications for science learning. (14)
- VI. Discuss the use of ICT in teaching -learning of science concepts at secondary level.
 (14)

UNIT-IV

- VII Discuss the contribution of any five Indian scientists in the field of science. (14)
- VIII. Discuss the role of Scientific and Technological Literacy for Sustainable Development in the 21st Century. (14)

UNIT-V

- IX. Write short note on the following:
 - a) Correlation of science with technology
 - b) (b)Trends in science curriculum
 - c) (c) Role of experiments in science
 - d) Formative and summative evaluation in science (4x31/2)

X-X-X

(8-3- 3 signit

THE PERSON NAMED IN

一日日本

-c+ 8249

हिल्लासिका, फिन्न हिन्ता है इस do

1

11/49 क निक्षान्त्र है भूत्र में खाउ हिरिक्त उद्योग्य हिस देश क्तारम केंद्र अण्याहो क दिराज्यता भागेड इक्ट युड

The state of

Jan Syst

मार्डाबेस मेही हे हिमिकांड हे यादर्स ता क्लाइड्डाइमर्

प्रमाणकार कार्युस है देखा है सामार्थीं मिलिसिक्सिमा

15-181-181

उहराहारी क्यान्टीके के किमाधिका दें। म्यांट प्रियामात

सर्यायम् सर्व कार्याः के हिम्मिकात मन्ह्यायम् हे म्मायेक्नायाः विश्वासम्

THE BEEN

मिन्नात है खेउउ दिव निष्ट प्रत अधि कि मिन्नामना E BARBA & Brankson, 23 अप अन्ति महारह युन्दितिका क्रियाम सङ्गितिका प्राप्तिका निर्मातिका प्राप्तिका प्राप्तिका

क अहा दिन हिसा है महिता दिवसे किय

XIXIX

THE WAY यक्षात है। ब्रह्मिका उन्दर्शनम् नाई स्वराण्यस् के हिर्मिकार माने असीच है अहत। के हिर्मिकार सिंध यहना है अहर्मका (इच्चार) के हिर्मिकार सिंध यहनेकों है इस्कृत TON KIN

一大

XIXIX

त विनाम अध्यक्षम मी प्रश्निया। व विनाम में प्रयोश मी सामग्री। के विनाम में रमाजा मीर सामग्री

म निस्मितियान या महित्र शिक्षानि निधियान

म विमान अधि सम्मीकी करा स्टब्स्प

मित्रक्ष में ब्यानमा न्यानिय

THUE THE

कियाना है दिस्स B सारम्भिक असे के विमान के पारम्भिन का मालीयनात्म 阿安國部 母 阿克斯子 安 七十五 年 日成为 中 日本 में स्टब्स्ट्रे में क्षेत्रकीय विकास में किए वेस्ताम में स्टेर स्मामीकी काहरता में भीय मा मी सारकार कीरिक्ट्रिंग 140 निकास की प्रकार में बाद के बिटाइटियों में कराप्र किरायान मिस्सी में अहर के विज्ञान अवस्थारणासी में अध्यापन मिस्सी में अहर की थे उपयोग का ब्रिय के किया विक्रम के हरेट उसके आजार कार्या प्रजिस और निराम मिना न तमान के कारका , रूप विकास में करा ये चित्रम र छेत्र में की की नावतीय प्रकारमा ने

五十四十四日